

Question Booklet No.

(To be filled up by the candidate by **blue/black ball-point pen**)Roll No.

| | | | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
| | | | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|

Roll No. (Write the digits in words)

Serial No. of OMR Answer Sheet

Day and Date

(Signature of Invigilator)

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES(Use only **blue/black ball-point pen** in the space above and on both sides of the **Answer Sheet**)

1. Within 10 minutes of the issue of the Question Booklet, Please ensure that you have got the correct booklet and it contains all the pages in correct sequence and no page/question is missing. In case of faulty Question Booklet, bring it to the notice of the Superintendent/Invigilators immediately to obtain a fresh Question Booklet.
2. Do not bring any loose paper, written or blank, inside the Examination Hall *except the Admit Card without its envelope*.
3. *A separate Answer Sheet is given. It should not be folded or mutilated. A second Answer Sheet shall not be provided.*
4. Write your Roll Number and Serial Number of the Answer Sheet by pen in the space provided above.
5. *On the front page of the Answer Sheet, write by pen your Roll Number in the space provided at the top, and by darkening the circles at the bottom. Also, wherever applicable, write the Question Booklet Number and the Set Number in appropriate places.*
6. *No overwriting is allowed in the entries of Roll No., Question Booklet No. and Set No. (if any) on OMR sheet and Roll No. and OMR sheet No. on the Question Booklet.*
7. *Any changes in the aforesaid-entries is to be verified by the invigilator, otherwise it will be taken as unfair means.*
8. *This Booklet contains 40 multiple choice questions followed by 10 short answer questions. For each MCQ, you are to record the correct option on the Answer Sheet by darkening the appropriate circle in the corresponding row of the Answer Sheet, by pen as mentioned in the guidelines given on the first page of the Answer Sheet. For answering any five short Answer Questions use five Blank pages attached at the end of this Question Booklet.*
9. For each question, darken only one circle on the Answer Sheet. If you darken more than one circle or darken a circle partially, the answer will be treated as incorrect.
10. *Note that the answer once filled in ink cannot be changed. If you do not wish to attempt a question, leave all the circles in the corresponding row blank (such question will be awarded zero marks).*
11. For rough work, use the inner back page of the title cover and the blank page at the end of this Booklet.
12. Deposit *both OMR Answer Sheet and Question Booklet* at the end of the Test.
13. You are not permitted to leave the Examination Hall until the end of the Test.
14. If a candidate attempts to use any form of unfair means, he/she shall be liable to such punishment as the University may determine and impose on him/her.

[उपर्युक्त निर्देश हिन्दी में अन्तिम आवरण-पृष्ठ पर दिये गये हैं ।]

Total No. of Printed Pages : 16

FOR ROUGH WORK/रफ़ कार्य के लिए

Research Entrance Test – 2013

No. of Questions : 50

प्रश्नों की संख्या : 50

Time : 2 Hours

Full Marks : 200

समय : 2 घण्टे

पूर्णांक : 200

Note : (i) This Question Booklet contains 40 Multiple Choice Questions followed by 10 Short Answer Questions.

इस प्रश्न पुस्तिका में 40 वस्तुनिष्ठ व 10 लघु उत्तरीय प्रश्न हैं।

(ii) Attempt as many MCQs as you can. Each MCQ carries 3 (Three) marks. 1 (One) mark will be deducted for each incorrect answer. Zero mark will be awarded for each unattempted question. If more than one alternative answers of MCQs seem to be approximate to the correct answer, choose the closest one.

अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को हल करने का प्रयत्न करें। प्रत्येक वस्तुनिष्ठ प्रश्न 3 (तीन) अंकों का है। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1 (एक) अंक काटा जायेगा। प्रत्येक अनुत्तरित प्रश्न का प्राप्तांक शून्य होगा। यदि वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के एकाधिक वैकल्पिक उत्तर सही उत्तर के निकट प्रतीत हों, तो निकटतम सही उत्तर दें।

(iii) Answer only 5 Short Answer Questions. Each question carries 16 (Sixteen) marks and should be answered in 150-200 words. Blank 5 (Five) pages attached with this booklet shall only be used for the purpose. Answer each question on separate page, after writing Question No.

केवल 5 (पाँच) लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न 16 (सोलह) अंकों का है तथा उनका उत्तर 150-200 शब्दों के बीच होना चाहिए। इसके लिए इस पुस्तिका में लगे हुए सादे 5 (पाँच) पृष्ठों का ही उपयोग आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक नए पृष्ठ से, प्रश्न संख्या लिखकर शुरू करें।

1. आश्वलायन श्रौतसूत्रं सम्बद्धम् –
 (1) सामवेदेन (2) अथर्ववेदेन (3) ऋग्वेदेन (4) यजुर्वेदेन
2. "त्वमेव माता च पिता त्वमेव" इत्यत्र छन्दो वर्तते –
 (1) वंशस्थः (2) वसन्ततिलकः (3) उपेन्द्रवज्रा (4) मालिनी
3. "अहम् त्वां पश्यामि" इत्यस्य कर्मवाच्ये रूपमस्ति –
 (1) मया त्वं दृश्ये (2) मया त्वं दृश्यसे
 (3) त्वया अहं दृश्यसे (4) मया त्वं दृश्यते
4. अध्वर्युः कस्य वेदस्य ऋत्विक् वर्तते ?
 (1) ऋग्वेदस्य (2) यजुर्वेदस्य (3) सामवेदस्य (4) अथर्ववेदस्य
5. तर्कसंग्रहानुसारं कर्म भवति –
 (1) द्विविधम् (2) त्रिविधम् (3) चतुर्विधम् (4) पञ्चविधम्
6. मेषराशेः स्वामी वर्तते –
 (1) मंगलः (2) बुधः (3) गुरुः (4) आदित्यः
7. न्यायदर्शनानुसारं गुणः नास्ति –
 (1) रसः (2) तमः (3) रूपम् (4) बुद्धिः
8. भास-विरचितम् नास्ति –
 (1) स्वप्नवासवदत्तम् (2) प्रतिज्ञायौगन्धरायणम्
 (3) उत्तररामचरितम् (4) अविमारकम्
9. मुण्डकोपनिषद् सम्बद्धा वर्तते –
 (1) ऋग्वेदेन (2) सामवेदेन (3) यजुर्वेदेन (4) अथर्ववेदेन
10. "तत्त्वमसि" इति उद्घोषः –
 (1) ईशावास्योपनिषदः (2) कठोपनिषदः
 (3) छान्दोग्योपनिषदः (4) प्रश्नोपनिषदः

11. ब्रह्मणः सत्ता वर्तते –
- | | |
|-----------------|------------------|
| (1) व्यावहारिकी | (2) पारमार्थिकी |
| (3) सांवृत्तिकी | (4) प्रातिभासिकी |
12. आवरणविक्षेपशक्ती विद्येते –
- | | |
|----------------|----------------|
| (1) ब्रह्मणः | (2) अविद्यायाः |
| (3) प्रपञ्चस्य | (4) जीवस्य |
13. ज्ञाननिवर्त्यत्वं मिथ्यात्वमिति लक्षणमस्ति –
- | | |
|----------------------|----------------------|
| (1) विवरणाचार्यस्य | (2) चित्सुखाचार्यस्य |
| (3) वाचस्पतिमिश्रस्य | (4) श्रीहर्षस्य |
14. 'लघुचन्द्रिका' – टीकाऽस्ति –
- | | |
|----------------------|------------------------|
| (1) खण्डखण्डखाद्यस्य | (2) तत्त्वप्रदीपिकायाः |
| (3) अद्वैतसिद्धेः | (4) भामत्याः |
15. आकाशादिमहाभूतानामुत्पत्तिर्भवति –
- | | |
|---------------|---------------------|
| (1) चैतन्यात् | (2) अज्ञानात् |
| (3) ईश्वरात् | (4) चैतन्याज्ञानयोः |
16. अविद्याऽस्ति –
- | | |
|-------------|---------------|
| (1) भावरूपा | (2) अभावरूपा |
| (3) उभयरूपा | (4) अनुभयरूपा |
17. सच्चिदानन्दं ब्रह्मेति लक्षणम् –
- | | |
|-------------------|------------------|
| (1) स्वरूपलक्षणम् | (2) तटस्थलक्षणम् |
| (3) उभयम् | (4) अनुभयम् |

18. परसमवेतक्रियाफलशालित्वं लक्षणमस्ति –
- | | |
|---------------|---------------|
| (1) क्रियायाः | (2) अपादानस्य |
| (3) अधिकरणस्य | (4) कर्मणः |
19. कथायां प्रमाणादीनां सत्त्वं निराक्रियते –
- | | |
|-------------------------|------------------|
| (1) तत्त्वप्रदीपिकायाम् | (2) अद्वैतसिद्धौ |
| (3) खण्डनखण्डखाद्ये | (4) भामत्याम् |
20. ब्रह्मणो निर्विशेषत्वं स्वीक्रियते –
- | | |
|------------------|--------------------|
| (1) शुद्धाद्वैते | (2) विशिष्टाद्वैते |
| (3) अद्वैते | (4) द्वैते |
21. 'विष्णुर्विकल्पोज्झितः' इत्यत्र विष्णुपदेनाभिप्रेयते –
- | | |
|------------|--------------|
| (1) संसारः | (2) ईश्वरः |
| (3) जीवः | (4) अज्ञानम् |
22. प्रत्यक्तत्त्वप्रदीपिकायाः कर्ता –
- | | |
|------------------------|------------------------|
| (1) श्रीहर्षः | (2) श्रीअप्पयदीक्षितः |
| (3) श्रीमधुसूदनसरस्वती | (4) श्रीचित्सुखाचार्यः |
23. मैत्रेयीब्राह्मणमुपलभ्यते –
- | | |
|-----------------|----------------------|
| (1) कठोपनिषदि | (2) प्रश्नोपनिषदि |
| (3) वृहदारण्यके | (4) छान्दोग्योपनिषदि |
24. 'अविकल्पविषय एक' इति पद्यं मङ्गलाचरणमस्ति –
- | | |
|----------------------------|-----------------------|
| (1) सिद्धान्तलेशसङ्ग्रहस्य | (2) खण्डनखण्डखाद्यस्य |
| (3) सिद्धान्तबिन्दोः | (4) सङ्क्षेपशारीरकस्य |

25. 'शाश्वताय नमस्कुरुः सर्वसिद्धिविधायिन' इति वाक्यमस्ति -
- | | |
|-----------------------------|--------------------------|
| (1) मधुसूदनसरस्वतीमहाभागस्य | (2) भगवत्पादस्य |
| (3) पद्मपादाचार्यस्य | (4) श्रीवाचस्पतिमिश्रस्य |
26. श्रीपद्मपादाचार्यस्य ग्रन्थो वर्तते -
- | | |
|----------------------|--------------------|
| (1) न्यायनिर्णयः | (2) पञ्चपादिका |
| (3) नैष्कर्म्यसिद्धि | (4) वेदान्तपरिभाषा |
27. 'त्रिवृत्करणं' वर्ण्यते -
- | | |
|--------------------------|---------------|
| (1) उपनिषदि | (2) ब्राह्मणे |
| (3) श्रीमद्भगवद्गीतायाम् | (4) रामायणे |
28. तत्त्वमसीति महावाक्ये लक्षणाऽभ्युपगम्यते -
- | | |
|-------------------|-----------------|
| (1) जहल्लक्षणा | (2) अजहल्लक्षणा |
| (3) जहदजहल्लक्षणा | (4) गौणीलक्षणा |
29. 'आत्मानं रथिनं विद्धि' इति वाक्यं विद्यते -
- | | |
|-----------------|---------------------|
| (1) बृहदारण्यके | (2) छान्दोग्ये |
| (3) कठोपनिषदि | (4) ईशावास्योपनिषदि |
30. 'विमतं मिथ्या दृश्यत्वात्' इत्यत्र विमतपदेन गृह्यते -
- | | |
|------------|--------------|
| (1) आत्मा | (2) जीवः |
| (3) ईश्वरः | (4) प्रपञ्चः |
31. शारीरकमिति पदेन सूत्र्यते -
- | | |
|--------------|-----------------|
| (1) जगत् | (2) जीवः |
| (3) अज्ञानम् | (4) प्राणिवर्गः |

32. 'अद्वैतसिद्धि' रिति ग्रन्थाभिधाने सिद्धिरिति पदस्यार्थः –
- (1) निश्चयः (2) विषयः
(3) विशय (4) उपायः
33. 'ब्रह्मणः प्रतिबिम्बो जीव' इति मतमस्ति –
- (1) विवरणकारस्य (2) भामतीकारस्य
(3) सिद्धान्तबिन्दुकारस्य (4) खण्डनकारस्य
34. 'अविद्या, जीवाश्रिता उपहितब्रह्मविषयिणी चेति' मतमस्ति –
- (1) विवरणकारस्य (2) भामतीकारस्य
(3) सांख्यदर्शनस्य (4) मीमांसकानाम्
35. ब्रह्मसाक्षात्कारे मन एव करणमित्यङ्गीकरोति –
- (1) श्रीपदमपादाचार्यः (2) श्रीहर्षः
(3) श्रीवाचस्पतिमिश्रः (4) सर्वज्ञात्ममुनिः
36. 'अध्ययनविधेरक्षरग्रहणेनैव पर्यवसितत्वान्न विचारप्रयोजकत्वमित्यभ्युपैति –
- (1) विवरणकृत् (2) भामतीकृत्
(3) चित्सुखाचार्यः (4) मधुसूदनसरस्वती
37. 'आत्मा वा अरे द्रष्टव्यः श्रोतव्यः' इत्यादि श्रुतिवाक्ये श्रवणादौ विधिर्नास्तीति मतम् –
- (1) उपनिषदाम् (2) श्रीशङ्कराचार्यस्य
(3) विवरणकारस्य (4) भामतीकारस्य
38. 'पुनरपि प्रत्यक्षं द्विविधं-जीवसाक्षी ईश्वरसाक्षी चेति' वचोऽस्ति –
- (1) श्रीसदानन्दस्य (2) श्रीधर्मराजाध्वरीन्द्रय
(3) श्रीनृसिंहस्वामिनः (4) श्रीअप्पयदीक्षितस्य

39. 'जन्माद्यस्य यत' इति सूत्रे भाष्यकारेणाभिमतः समासः –

- | | |
|---------------------------------|----------------------------------|
| (1) अव्ययीभावः | (2) तत्पुरुषः |
| (3) तद्गुणसंविज्ञानो बहुव्रीहिः | (4) अतद्गुणसंविज्ञानो बहुव्रीहिः |

40. 'स्मृतिरूपः परत्र पूर्वदृष्टावभास' इत्येतल्लक्षणमस्ति –

- | | |
|------------------|------------------|
| (1) स्वप्रकाशस्य | (2) चिद्विलासस्य |
| (3) अध्यासस्य | (4) व्यत्यासस्य |

Attempt any five questions. Write answer in 150-200 words. Each question carries 16 marks. Answer each question on separate page, after writing Question Number.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर 150-200 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अलग पृष्ठ पर प्रश्न संख्या लिख कर शुरू करें।

1. संविदः स्वप्रकाशत्वं संक्षिप्ताक्षरैः प्रतिपादनीयम्।
2. अद्वैतसिद्धिग्रन्थोक्तं प्रथममिथ्यात्वलक्षणमुपपादनीयम्।
3. अपूर्वविधेः स्वरूपं संक्षेपणीयम्।
4. अथातो ब्रह्मजिज्ञासेति सूत्रे 'अथ' शब्दार्थो निरूपणीयः।
5. चैतन्यत्रैविध्यं यथाशास्त्रं निरूपणीयम्।
6. वृत्तिज्ञानयोर्भेदः स्पष्टीकरणीयः।
7. अवच्छेदवादः संक्षेपेण निरूपणीयः।
8. 'अजोनित्यः शाश्वतोऽयं पुराण' इत्यस्य शाङ्करभाष्यानुगुणं तात्पर्यं प्रदर्शनीयम्।
9. प्रस्थानत्रय्यां भगवद्गीतायाः महत्त्वं प्रतिपादनीयम्।
10. जाग्रत्स्वप्नसुषुप्त्यवस्थात्रयस्य स्वरूपं यथाऽधीतमुपपादनीयम्।

Roll No. :

Q. No. :

Roll No. :

Q. No. :

Roll No. :

Q. No. :

Roll No. :

Q. No. :

Roll No. :

Q. No. :

FOR ROUGH WORK/रफ़ कार्य के लिए

अभ्यर्थियों के लिए निर्देश

(इस पुस्तिका के प्रथम आवरण-पृष्ठ पर तथा उत्तर-पत्र के दोनों पृष्ठों पर केवल नीली/काली बाल-प्वाइंट पेन से ही लिखें)

1. प्रश्न पुस्तिका मिलने के 10 मिनट के अन्दर ही कृपया देख लें कि प्रश्नपत्र में सभी पृष्ठ मौजूद हैं और कोई प्रश्न छूटा नहीं है। पुस्तिका दोषयुक्त पाये जाने पर इसकी सूचना तत्काल कक्ष निरीक्षक को देकर सम्पूर्ण प्रश्नपत्र की दूसरी पुस्तिका प्राप्त कर लें।
2. परीक्षा भवन में लिफाफा रहित प्रवेश-पत्र के अतिरिक्त, लिखा या सादा कोई भी खुला कागज साथ में न लायें।
3. उत्तर-पत्र अलग से दिया गया है। इसे न तो मोड़ें और न ही विकृत करें। दूसरा उत्तर-पत्र नहीं दिया जायेगा।
4. अपना अनुक्रमांक तथा उत्तर-पत्र का क्रमांक प्रथम आवरण-पृष्ठ पर पेन से निर्धारित स्थान पर लिखें।
5. उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर पेन से अपना अनुक्रमांक निर्धारित स्थान पर लिखें तथा नीचे दिये वृत्तों को गाढ़ा कर दें। जहाँ-जहाँ आवश्यक हो वहाँ प्रश्न-पुस्तिका का क्रमांक तथा सेट का नम्बर उचित स्थानों पर लिखें।
6. ओ० एम० आर० पत्र पर अनुक्रमांक संख्या, प्रश्न-पुस्तिका संख्या व सेट संख्या (यदि कोई हो) तथा प्रश्न-पुस्तिका पर अनुक्रमांक संख्या और ओ० एम० आर० पत्र संख्या की प्रविष्टियों में उपरिलेखन की अनुमति नहीं है।
7. उपर्युक्त प्रविष्टियों में कोई भी परिवर्तन कक्ष निरीक्षक द्वारा प्रमाणित होना चाहिये अन्यथा यह एक अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।
8. प्रश्न-पुस्तिका में 40 बहुविकल्पीय तथा 10 लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक बहुविकल्पीय प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के वैकल्पिक उत्तर के लिये आपको उत्तर-पत्र की सम्बन्धित पंक्ति के सामने दिये गये वृत्त को उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर दिये गये निर्देशों के अनुसार पेन से गाढ़ा करना है। किन्हीं पाँच लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर के लिए प्रश्न पुस्तिका के अन्त में पाँच खाली पृष्ठ दिये गये हैं।
9. प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिये केवल एक ही वृत्त को गाढ़ा करें। एक से अधिक वृत्तों को गाढ़ा करने पर अथवा एक वृत्त को अपूर्ण भरने पर वह उत्तर गलत माना जायेगा।
10. ध्यान दें कि एक बार स्याही द्वारा अंकित उत्तर बदला नहीं जा सकता है। यदि आप किसी प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं, तो सम्बन्धित पंक्ति के सामने दिये गये सभी वृत्तों को खाली छोड़ दें। ऐसे (प्रश्नों पर शून्य अंक दिये जायेंगे।)
11. रफ कार्य के लिये इस पुस्तिका के मुखपृष्ठ के अंदर वाला पृष्ठ तथा अंतिम खाली पृष्ठ का प्रयोग करें।
12. परीक्षा के उपरान्त दोनों ओ० एम० आर० उत्तर-पत्र एवं प्रश्न पुस्तिका परीक्षा भवन में जमा करें।
13. परीक्षा समाप्त होने से पहले परीक्षा भवन से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी।
14. यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करता है, तो वह विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दंड का/की भागी होगा/होगी।